लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 21 December 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर हुई चर्चा

लखनऊ। लविवि के शिक्षा विभाग व शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से मंगलवार को भारतीय भाषाओं के माध्यम से 'उच्च शिक्षा : चुनौतियां व अवसर' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रो. एपी दीक्षित पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग लविवि व प्रो. वाईपी सिंह, प्रो. केडी सिंह, प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने अपने विचार रखे। प्रो. पवन अग्रवाल व प्रो. कविता रस्तोगी की अध्यक्षता में शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। डॉ. अपर्णा गोडबोले, डॉ. आकांक्षा सिंह, प्रो. नूपुर सेन, प्रो. अमिताभ बाजपेई, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विवि में दूरसंचार जन जागरूकता कार्यशाला

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग व दूरसंचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मानव शरीर पर ईएमएफ विकिरण के प्रभाव, दूरसंचार सुरक्षा पहलुओं और 5जी मोबाइल प्रौद्योगिकी की जानकारी दी गई। साथ ही टेलीकॉम सिक्योरिटी पर छात्रों के लिए क्विज का भी आयोजन किया गया। इसमें शामिल छात्रों को सर्टिफिकेट भी दिया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि आरकेएम श्रीवास्तव, महिधर पंत, यतीश कठेरिया, रविंद्र वर्मा, अमित कुमार, डीन प्रो. अशोक कुमार सिंह, डॉ. सिद्धार्थ सिंह आदि उपस्थित थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

'मौलिक चिंतन अपनी भाषा में ही आता है'

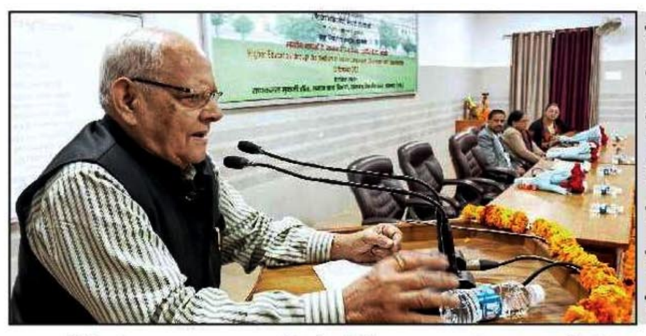

लविवि शिक्षाशास्त्र विभाग और शिक्षा मंत्रालय की संगोष्ठी में बोले वक्ता

■ **एनबीटी सं., लखनऊ :** भाषा किसी भी देश की कला और संस्कृति से अटूट रूप से जुड़ी होती है। हमारी संस्कृति भाषाओं में समाहित है। भाषा हमारे विचारों और विश्वास को संप्रेषित करने कर एक सशक्त माध्यम है। यह बात मंगलवार को एलयू के शिक्षाशास्त्र विभाग व शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से हुई संगोष्ठी कही गई।

राधाकमल मुखर्जी सभागार में 'भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियां एवं अवसर' पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. सूर्य प्रकाश दीक्षित रहे। उन्होंने कहा कि हर भाषा की कुछ विशेषता होती हैं। भारत भाषा बहुल राष्ट्र है। भाषाओं व बोलियों को संरक्षित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। मौलिक चिंतन हमेशा अपनी ही भाषा में आता है।

भारतीय भाषा में रोजगार के अवसर पैदा करने की भी जरूरत है। इसके साथ ही भाषा पर आधारित कार्यशालाओं ओर संगोष्ठियों का अधिक से अधिक आयोजन की बात कही। सरकार की तरफ से भाषाओं के लिए को रहे प्रयासों को भी सराहा। प्रो. वाईपी सिंह ने कहा कि हमें अंतरावलोकन व आत्मचिंतन की आवश्यकता है। प्रो. केडी सिंह ने कहा कि समय की आवश्यकता है कि अनुवाद संस्थानों की स्थापना की जाए, ताकि विद्यार्थी भारतीय भाषाओं से विमुख न हों।

संगोष्ठी का समन्वयन डॉ. अर्पणा गोडबोले व डॉ. आकांक्षा सिंह ने किया। इस मौके पर शिक्षाशास्त्र विभाग की एचओडी प्रो. तृप्ता त्रिवेदी और डॉ.आकांक्षा सिंह ने बताया कि संगोष्ठी में 60 से अधिक शोध पत्र भी प्रस्तुत किए गए।

परंपरा से कोई अलग नहीं होना चाहता, मजबूरी करवाती है

■ **एनबीटी संवाददाता, लखनऊ :** हेयर ड्रायर भारत में 2000 वर्ष पहले ही बन गया था। जैस्मिन की लकड़ी को एक पात्र में जला कर उसके धुएं से बाल सुखाए जाते थे। ऐसा करने से बाल सूखने के साथ-साथ उनमें खुशबू भी आ जाती थी। यह बात आजादी का अमृत महोत्सव में डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपोजिट्री प्रॉजेक्ट के अन्तर्गत कहानियों का संकलन पर आयोजित कार्यशाला के मौके पर लोक प्रशासन विभाग के एचओडी प्रो. मनोज दीक्षित ने कहीं।

आजादी का अमृत महोत्सव में डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपोजिट्री प्रॉजेक्ट के अन्तर्गत कहानियों का संकलन पर कार्यशाला

एलयू में कार्यशाला का आयोजन सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) एवं लोक एंव जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग, उप्र) की ओर से किया गया था। इस मौके पर प्रो.मनोज कुमार दीक्षित ने कहा कि बच्चे आजकल स्कूल जाने में रोते हैं। क्योंकि उन्हें आनंद नहीं आता है। उन्होंने यह भी कहा कि अपनी परंपरा से कोई अलग नहीं होना चाहता है। मजबूरी में लोग अपनी परम्परा को छोड़ते हैं। इस लिए आवश्यक है कि पारम्परिक चीजों में रोजगार की संभावनाएं बढ़ाई जाएं। इस मौके पर लोगों को बताया गया कि किस तरीके से कहानियों का संकलन करें। कार्यक्रम में राज्य कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश, ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय सचिव डॉ.देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

HINDUSTAN PAGE 6

कश्मीरी कहवा और महाराष्ट्र के मोदक की खुशबू ने लुभाया

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को 11 राज्यों के खास पकवानों की खुशबू और परिधानों की रंगत बिखरी। विश्वविद्यालय की 64 बीएन एनसीसी बटालियन के कैडेट ने फूड फेस्टिवल का आयोजन किया। फेस्टिवल में कैडेट ने उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध प्रदेश, राजस्थान, केरल, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल उत्तराखण्ड और पंजाबी जायका बिखेरा।

फेस्टिवल का शुभारंभ एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। उन्होंने पकवानों का स्वाद भी चखा। 11 राज्यों के 11 स्टॉल पर भारत के सांस्कृतिक रंग देखने वाले थे। गुजरात के स्टॉल पर ढोकला, दाबेली, जलेबी, फाफड़ा परोसा तो यूपी के स्टॉल पर आलू कचौरी, पान और खीर की मिठास मिली। हैदराबादी बिरयानी की खुशबू पूरे मैदान में थी तो कश्मीर का कहवा, कश्मीरी पुलाव भी खास था। वहीं महाराष्ट्र के परिधान में कैडेट ने मोदक, पाव भाजी से मन मोहा। डीएसडब्लू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कैडेट शारीरिक रूप से जितना मजबूत हैं उतना ही सशक्त इनका सांस्कृतिक पक्ष भी है। इस मौके पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गौरव कार्की समेत अन्य मौजूद रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

उच्च शिक्षा, चुनौतियां एवं अवसर विषयक संगोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के शिक्षा विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा-चुनौतियां एवं अवसर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में मंगलवार को आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. ए पी दीक्षित, पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, एलयू, प्रो. वाई पी सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग, प्रो. के डी सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, एवं प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र विभाग, एलयू, मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर समस्त विशिष्ट अतिथियों ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस संगोष्ठी की आयोजक डॉ. अपर्णा गोडबोले एवं डॉ. आकांक्षा सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रथम तकनीकी सत्र में प्रपत्र प्रस्तुतीकरण हेतु प्रो. पवन अग्रवाल एवं प्रो. कविता रस्तोगी की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. नूपुर सेन एवं प्रो. अमिताभ बाजपेई, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष एवं राज्य परीक्षा समन्वयक ने की तथा इनके मार्गदर्शन में शोधार्थियों द्वारा अपने-अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इस संगोष्ठी में कुल 49 शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी का समापन पत्रकारिता एवं संप्रेषण विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें श्रीलंका निवासी एवं शिक्षा विभाग, एलयू के शिक्षा शास्त्र विषय का पूर्व-छात्र, तीक्ष्ण लियानागे द्वारा श्रीलंकाई कांडियन रूप का एक शुभ नृत्य मंगलम प्रस्तुत हुआ। अंततः प्रमाण पत्र वितरण एवं राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

कुलानुशासक ने किया छात्रावास का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मंगलवार को एलयू कुलानुशासक, प्रो. राकेश द्विवेदी ने लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास का औचक निरीक्षण करते हुए वहां के अंतःवासियों से मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान छात्रावास के अभिरक्षक डॉ. राजेश्वर यादव एवं कुलानुशासक मण्डल के सदस्य डॉ. ओ पी शुक्ला, डॉ. आशीष अवस्थी, डॉ. महेन्द्र अग्निहोत्री, डॉ. राहुल पाण्डेय उपस्थित रहे। कुलानुशासक ने अंतःवासियों से छात्रावास की मूलभूत सुविधाओं, लाइब्रेरी की सुविधा आदि विषयों पर चर्चा की। भोजन की गुणवत्ता की परख के लिए कुलानुशासक ने छात्रों के साथ बैठकर भोजन भी किया। सभी छात्र मूलभूत व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आए। छात्रावास के सभी अंतःवासियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए यह कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के निर्देशन में प्राप्त नैक ए++ मूल्यांकन के अनुकूल व्यवस्था संपन्न है एवं छात्रों को प्रत्येक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। किसी प्रकार की शिकायत पर उसका त्वरित निस्तारण किया जाता है। उन्होंने कुलानुशासक को धन्यवाद देते हुए कहा कि वर्तमान में परिसर का माहौल पठन-पाठन के सर्वथा अनुकूल है। अंतःवासियों ने प्रो. द्विवेदी से वर्तमान शांतिपूर्ण स्थिति को बनाए रखने में अपना पूर्ण सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।

एलयू नवीन परिसर में दूरसंचार जन जागरूकता कार्यशाला

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी अंतर्गत जानकीपुरम स्थित एलयू नवीन परिसर के इंजीनियरिंग संकाय के

ईएमएफ विकिरण के प्रभाव, दूरसंचार सुरक्षा पहलुओं और 5जी मोबाइल प्रौद्योगिकी पर हुई चर्चा

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग और दूरसंचार विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सहयोग से दूरसंचार जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न उपयोगी विषयों जैसे मानव शरीर पर ईएमएफ विकिरण के प्रभाव, दूरसंचार सुरक्षा पहलुओं और 5जी मोबाइल प्रौद्योगिकी का परिचय आदि विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए साथ ही टेलीकॉम सिक्योरिटी विषय पर छात्रों के लिए क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमें पास 10 छात्रों को दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में आर. के. एम श्रीवास्तव, सीनियर डीडीजी, डीओटी, महिधर पंत, डीडीजी, डीओटी एवं यतीश कठेरिया, डीडीजी रूरल, डीओटी उपस्थित रहे, साथ ही वक्ता के रूप में रविंद्र वर्मा, एडीजी सिक्योरिटी, डीओटी, अमित कुमार, एडीजी कंप्लायंस, डीओटी और देवल सक्सेना, एडीजी टेक्नोलॉजी, डीओटी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. अशोक कुमार सिंह के संरक्षण एवं डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. एम. के. जैन, इंजी. सुशील गुप्ता और इंजी. अवनीश जयंक के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

i-NEXT PAGE 4

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

हर जीवित भाषा की कुछ विशेषता होती है

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (20 Dec): शिक्षा शास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय एवं भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा-चुनौतियां एवं अवसर विषय पर मंगलवार को राधा कमल मुखर्जी हाल एलयू में आयोजित किया गया. संगोष्ठी का समन्वयन डॉ. अर्पणा गोडबोले व डॉ. आकांक्षा सिंह द्वारा किया गया.

अनुवाद संस्थानों की स्थापना

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. तृप्ता त्रिवेदी द्वारा सभी का स्वागत किया गया. डॉ. आकांक्षा सिंह ने संगोष्ठी का उद्देश्य प्रस्तुत किया. वहीं, प्रो. वाईपी सिंह ने कहा कि समय आ गया है जब हमें अंतरावलोकन व आत्म चिंतन की आवश्यकता है. प्रो. केडी सिंह ने कहा कि समय की आवश्यकता है कि अनुवाद संस्थानों की स्थापना की जाए, जिससे विद्यार्थी भारतीय भाषाओं से विमुख न हो. वहीं, मुख्य वक्ता प्रो. सूर्य प्रकाश दीक्षित ने बताया कि हर जीवित भाषा की कुछ विशेषता होती है. भारत भाषा बहुल राष्ट्र है. भाषा व बोली को संरक्षित करने का प्रयास किया जाना चाहिए. संगोष्ठी में 60 से ज्यादा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए. समापन सत्र में प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, पत्रकारिता विभाग ने प्रमाण पत्र वितरित किए.

एलयू : प्लेसमेंट के लिए आवेदन का मौका आज

डेलायट कंपनी चयनित विद्यार्थियों को छह लाख रुपये सालाना पैकेज देगी

LUCKNOW (20 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय की ओर से एक बार फिर बीटेक छात्रों को नौकरी के लिए आवेदन का मौका दिया गया है. बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राएं 21 दिसंबर तक गूगल फार्म https://deloitteadvisoryotn.hirepro.in/ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. मंगलवार को संकाय की ओर से विस्तृत निर्देश जारी किए गए.इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि डेलायट कंपनी आगामी 2023 में उत्तीर्ण होने वाले बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों का एनालिस्ट ट्रेनी (रिस्क एंड फाइनेंशियल एडवाइजरी) के पदों पर चयन करेगी. आवेदन के लिए स्नातक में 60 प्रतिशत से अधिक अंक होने चाहिए. आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 दिसंबर है.

दो कंपनियों में आज इंटरव्यू

एलयू की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से छात्र-छात्राएं दो कंपनियों में साक्षात्कार के लिए जाएंगे. प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि ईस्टर्न बुक कंपनी में मार्केटिंग ट्रेनी के पद के लिए दोपहर एक बजे और एप्को कंपनी में सुबह 9.30 बजे विद्यार्थी साक्षात्कार के लिए जाएंगे.

26 से ऑनलाइन असेसमेंट

उन्होंने बताया कि कंपनी आवेदन पत्रों को शार्ट लिस्ट करने के बाद आनलाइन असेसमेंट 26 दिसंबर से छह जनवरी तक करेगी. उसके बाद 16 से 24 फरवरी के बीच आनलाइन साक्षात्कार होंगे. 15 मार्च को फाइनल सूची जारी होगी. चयनित छात्र-छात्राओं को छह लाख रुपये सालाना पैकेज पर नियुक्ति की जाएगी.

लवि : प्लेसमेंट के लिए आवेदन का आज मौका

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय ने फिर बीटेक छात्रों को नौकरी के लिए आवेदन का मौका दिया है। बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राएं 21 दिसंबर तक गूगल फार्म https://deloitteadvisoryotn.hirepro.in/ से आवेदन कर सकते हैं। मंगलवार को संकाय की ओर से विस्तृत निर्देश जारी किए गए।

इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट ईंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि डेलायट कंपनी आगामी 2023 में उत्तीर्ण होने वाले बीटेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों का एनालिस्ट ट्रेनी (रिस्क एंड फाइनेंशियल एडवाइजरी) के पदों पर चयन करेगी। आवेदन के लिए स्नातक में 60% से अधिक अंक होने चाहिए। आवेदन की अंतिम तिथि 21 दिसंबर है। कंपनी आवेदन पत्रों को शार्ट लिस्ट करने के बाद आनलाइन असेसमेंट 26 दिसंबर से छह जनवरी तक करेगी। उसके बाद 16 से 24 फरवरी के बीच आनलाइन साक्षात्कार होंगे। 15 मार्च को फाइनल सूची जारी होगी। चयनित छात्र-छात्राओं को छह लाख रुपये सालाना पैकेज पर नियुक्ति की जाएगी। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि ईस्टर्न बुक कंपनी में मार्केटिंग ट्रेनी के पद के लिए, दोपहर एक बजे और एप्को कंपनी में सुबह 9.30 बजे विद्यार्थियों के साक्षात्कार के लिए जाएंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

64वीं यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेटों ने लखनऊ विश्वविद्यालय में फूड फेस्टिवल का किया आयोजन

क्या खूब, 11 राज्यों के पकवानों–परिधानों से सजा फूड फेस्टिवल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : बिहार का लिट्टी चोखा, ठेकुआ, सत्तू का शरबत, गुजरात का ढोकला, जलेबी, उत्तर प्रदेश का आलू कचौरी, खीर, बनारसी पान, आंध्र प्रदेश का डोसा, हैदराबादी बिरयानी और गाजर का हलवा, राजस्थान का दाल- बाटी चूरमा, मोहन थाल, कलाकंद, मिर्ची वड़ा, केरल का रसम चावल, इडली सांभर, नारियल चटनी, जम्मू और कश्मीर का कहवा चाय, कश्मीरी पुलाव, कश्मीरी साग, महाराष्ट्र का मोदक, बसुंदी, पाव भाजी, पश्चिम बंगाल का पुचका चाट, उत्तराखंड का मंडुआ की रोटी, रायता, बाल मिठाई और पंजाब का छोला बटूरा, आलू पराठे, लस्सी... आदि पकवानों की खुशबू मंगलवार को

लखनऊ विश्वविद्यालय में 64वीं यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से फूड फेस्टिवल में केरल के स्टाल पर खरीदारी करते एनसीसी कैडेट ● जागरण

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महकती रही। पहली बार 64वीं यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से 11 राज्यों पर आधारित फूड फेस्टिवल आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय में एनसीसी कैडेटों ने वहां के पकवानों का स्टाल लगाया। सभी राज्यों के परिधान पहनकर भारत की विविधता को भी दिखाया। अपने – अपने राज्यों की परंपरागत शैली में नृत्य प्रस्तुति देकर संस्कृति को भी प्रदर्शित किया।

विश्वविद्यालय के शिवाजी पार्क में आयोजित इस फेस्टिवल में 11 राज्यों की झलक दिखी। स्टाल लगाए कैडेटों ने पकवानों की बिक्री भी की। जिस राज्य का प्रतिनिधित्व किया, उसकी भाषा बोलते नजर आए। कैडेटों ने सरदार भगत सिंह पर स्किट की भी प्रस्तुति दी। कुलपति प्रो. आलोक राय ने स्टालों का अवलोकन किया। छात्रों के बनाए पकवान का स्वाद भी चखा। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूनम टंडन, प्रो. डीके सिंह, प्रो. किरन लत डंगवाल, 64वीं बटालियन के कमांडिंग आफिसर कर्नल गौरव कार्की, समन्वयक डा. रजनीश कुमार यादव कार्यक्रम में रहे।

स्टार्टअप का मिला आइडिया : फूड फेस्टिवल में छात्र- छात्राओं ने अपने घर से सभी पकवानों को तैयार किया था। छात्र यशलोक, दिव्या राय, केशव, अभय का कहना था कि इस फेस्टिवल से एक नई सोच भी विकसित हुई है। वह खाने-पीने की चीजों को लेकर स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। अलग-अलग राज्यों के पकवान को तैयार करने के लिए छात्र- छात्राओं ने इंटरनेट की मदद ली। वहां की भाषा को भी सीखने का प्रयास किया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि : 46 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किया शोध पत्र

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के तत्वधान में मंगलवार को 'भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में किया गया, जिसमें प्रो. ए.पी. दीक्षित पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, के.डी. सिंह, एवं तृप्ता त्रिवेदी विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र में प्रपत्र प्रस्तुतीकरण के लिए पवन अग्रवाल एवं कविता रस्तोगी की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र के माध्यम से ज्ञापित विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. नुपुर सेन एवं प्रो. अमिता वाजपेई ने की तथा संगोष्ठी में 49 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

चीफ प्रॉक्टर ने एलबीएस छात्रावास के छात्रों संग किया लंच

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावास लाल वहादुर शास्त्री में वीती रात हुए झगड़े के वाद मंगलवार को चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने छात्रावास का औचक निरीक्षण करते हुए वहां के अंतःवासियों से मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान छात्रावास के अभिरक्षक डा. राजेश्वर यादव एवं कुलानुशासक मण्डल के सदस्य डा. ओ.पी. शुक्ला, डा. आशीष अवस्थी, डा. महेन्द्र अग्निहोत्री, डा. राहुल पाण्डेय उपस्थित रहे। कुलानुशासक ने अंतःवासियों से छात्रावास की मूलभूत सुविधाओं, लाइब्रेरी की सुविधा आदि विषयों पर चर्चा की। भोजन की गुणवत्ता की परख के लिए कुलानुशासक ने छात्रों के साथ बैठकर भोजन भी किया। सभी छात्र उपर्युक्त व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आए।

डीएवी पीजी कॉलेज का शताब्दी समारोह कल

लखनऊ (एसएनबी)। दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज लखनऊ के प्रबंधक मनमोहन तिवारी ने वताया कि शताब्दी समारोह के तहत 23 दिसंबर को 108 कुंडीय देव यज्ञ आयोजित किया जाएगा, जो सुबह नौ वजे से दोपहर एक वजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री वृजेश पाठक, भाजपा नेता नीरज सिंह, नगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, एमएलसी अवनीश सिंह, पूर्व विधायक सुरेश तिवारी भी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर डा. सत्यकाम आर्य, डीएवी पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुधांशु सिन्हा, अध्यक्ष प्रो. वी.डी. मिश्रा मौजूद थे।

PIONEER PAGE 3

विश्वविद्यालय में आयोजित फूड फेस्टिवल में दिखे 11 राज्यों के व्यंजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

64 यूपी बीएन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेटों ने मंगलवार को फूड फेस्टिवल का आयोजन किया, जहां उन्होंने अपने पारंपरिक नृत्य के साथ 11 राज्यों का भोजन प्रस्तुत किया। साथ ही भगत सिंह पर स्किट भी हुई। फूड फेस्टिवल के मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय शामिल थे। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रोफे पूनम टंडन प्रो डी के सिंह प्रो किरन लता डंगवाल ए 64 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गौरव कार्की, एएनओ डॉ रजनीश कुमार यादव भी उपस्थित थे। कैडेटों ने वास्तव में भारत की विविधता के लिए विंडो सीट प्रस्तुत की और अतुल्यनीय भारत का प्रदर्शन किया। कुलपति और सभी अतिथियों ने इस अवसर की प्रशंसा की और राष्ट्रीय एकता के आयोजन के पीछे के मकसद की सराहना की। साथ ही कुलपति ने दर्शकों को संबोधित किया और कैडेटों को एकजुट

रहने और एकता और विविधता के आदर्शों को संजोने के लिए प्रेरित किया।

सभी ने अपने यहां के व्यंजन किये प्रस्तुत: पहले गुजरात ने ढोकला, दाबेली, जलेबी फाफड़ा प्रस्तुत किया। उत्तर प्रदेश ने आलू कचौरी, खीर, पान का प्रतिनिधित्व किया। आंध्र प्रदेश ने डोसा, हैदराबादी बिरयानी और गाजर का हलवा पेश किया। राजस्थान ने दाल बाटी चूरमा, मोहन थाल, कलाकंद, मिर्ची वड़ा का प्रतिनिधित्व किया। केरल ने रसम चावल, इडली सांभर, नारियल चटनी, चावल की खीर का प्रतिनिधित्व किया। जम्मू और कश्मीर ने कहवा चाय, कश्मीरी पुलाव, कश्मीरी साग, सेवियाज का प्रतिनिधित्व किया। महाराष्ट्र ने मोदक, बसुंदी, पाव भाजी का प्रतिनिधित्व किया। बिहार ने लिट्टी चोखा, खजुरिया, सत्तू शरबत का प्रतिनिधित्व किया। पश्चिम बंगाल ने पुचका चाट, मोमोज और रशोगुल्ला का प्रतिनिधित्व किया। उत्तराखंड ने मंडुआ की रोटी, कुमाउनी रायता, बाल मिठाई का प्रतिनिधित्व किया। पंजाब ने छोले बथूरे, आलू पराठे, लस्सी का प्रतिनिधित्व किया। अंत में दो निदेशालय एक पहला महाराष्ट्र निदेशालय और दूसरा केरल निदेशालय। यह भारत की विविधता का जश्न मनाने का एक अद्भुत तरीका था।

AMRIT VICHAR PAGE 4

फूड फेस्टिवल में दिखी भारत की विविधता

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फूड फेस्टिवल में भारत की विविधताएं देखने को मिली। मंगलवार को लविवि की 64 बटालियन एनसीसी कैडेटों की ओर से लगाए गए इस फूड फेस्टिवल से लविवि का परिसर हैदराबादी बिरयानी जायके के साथ यूपी की चटपटी आलू कचौरी और गुजरात के ढोकले से महक उठा। इस दौरान पारंपरिक नृत्य के साथ 11 राज्यों का व्यंजनों के साथ ही भगत सिंह पर आधारित एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई

फूड फेस्टिवल में विभिन्न राज्यों के व्यंजनों की जानकारी लेते लोग। अमृत विचार

लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेटों के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय रहे। साथ ही डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन प्रो. डी के सिंह प्रो. किरन लता डंगवाल के अलावा 64 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गौरव कार्की, एएनओ डॉ. रजनीश कुमार यादव मौजूद रहे। सभी ने कैडेटों की इस प्रस्तुति की सराहना की।

कुलपति राय ने कहा कि कैडेटों ने वास्तव में भारत की विविधता के लिए विंडो सीट प्रस्तुत की और अतुलनीय भारत का प्रदर्शन किया। साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में कैडेटों को एकजुट रहने तथा एकता और विविधता के आदर्शों को संजोने के लिए प्रेरित किया।

इस फूड फेस्टिवल में 11 राज्यों का भोजन के व्यंजनों में पहले गुजरात ने ढोकला, दाबेली, जलेबी फाफड़ा प्रस्तुत किया। उत्तर प्रदेश ने आलू कचौरी, खीर, पान का प्रतिनिधित्व किया। वहीं आंध्र प्रदेश ने डोसा, हैदराबादी बिरयानी और गाजर का हलवा पेश किया। राजस्थान ने दाल बाटी चूरमा, मोहन थाल, कलाकंद, मिर्ची वड़ा का प्रतिनिधित्व किया।

VoL PAGE 4

एनसीसी कैडेटों ने अतुलनीय भारत की दिखायीं तस्वीर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 64 यूपी बीएन एनसीसी कैडेटों ने मंगलवार को एक फूड फेस्टिवल का आयोजन किया। जहां उन्होंने अपने पारंपरिक नृत्य के साथ 11 राज्यों का भोजन प्रस्तुत किया। साथ ही भगत सिंह पर स्किट भी हुई।

● **लविवि में फूड फेस्टिवल पर 11 राज्यों के भोजन के साथ पारंपरिक नृत्य किया प्रस्तुत**

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय बतौर मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, प्रो. डीके सिंह, प्रो. किरन लता डंगवाल, 64 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गौरव कार्की और एएनओ डॉ रजनीश कुमार यादव भी उपस्थित रहे। कैडेटों ने वास्तव में भारत की विविधता के लिए विंडो सीट प्रस्तुत की और अतुल्यनीय भारत का प्रदर्शन किया। कुलपति और सभी अतिथियों ने इस अवसर की प्रशंसा की और राष्ट्रीय एकता के आयोजन के पीछे के मकसद की सराहना की। साथ ही कुलपति ने दर्शकों को संबोधित किया और कैडेटों को एकजुट रहने और एकता और विविधता के आदर्शों को संजोने के लिए प्रेरित किया। 11 राज्यों में पहले गुजरात ने ढोकला, दाबेली, जलेबी, फाफड़ा प्रस्तुत किया। उत्तर प्रदेश ने आलू कचौड़ी, खीर, पान का प्रतिनिधित्व किया। आंध्र प्रदेश ने डोसा, हैदराबादी बिरयानी और गाजर का हलवा पेश किया। राजस्थान ने दाल बाटी चूरमा, मोहन थाल, कलाकंद, मिर्ची वड़ा का प्रतिनिधित्व किया। केरल ने रसम चावल, इडली सांभर, नारियल चटनी, चावल की खीर का प्रतिनिधित्व किया। जम्मू और कश्मीर ने कहवा चाय, कश्मीरी पुलाव, कश्मीरी साग, सेवियाज का प्रतिनिधित्व किया। महाराष्ट्र ने मोदक, बसुंदी, पाव भाजी का प्रतिनिधित्व किया। बिहार ने लिट्टी चोखा, खजुरिया, सत्तू शरबत का प्रतिनिधित्व किया।

12 जनवरी से शुरू होंगी वाणिज्य पीजी परीक्षाएं

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। एलयू के वाणिज्य विभाग में एमकॉम प्रथम तथा तृतीय सत्र का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस कार्यक्रम के अनुसार अगले वर्ष 12 जनवरी से 18 जनवरी तक परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। प्रतिदिन 11 बजे से होने वाली आंतरिक परीक्षाओं को सुचारू रूप से संचालित कराने की व्यवस्था की जा रही है। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रथम तथा तृतीय सत्र के परीक्षा आयोजन को 19 दिसंबर 2022 को जारी किया गया है।

लविवि प्रॉक्टर ने लाल बहादुर छात्रावास का किया निरीक्षण

लखनऊ। लविवि के कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने मंगलवार को लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास का औचक निरीक्षण किया और अंतःवासी छात्रों से मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान छात्रावास के प्रवोस्ट डॉ. राजेश्वर यादव एवं कुलानुशासक मण्डल के सदस्य डॉ ओपी शुक्ला, डॉ आशीष अवस्थी, डॉ महेन्द्र अग्निहोत्री, डॉ राहुल पाण्डेय उपस्थित रहे। कुलानुशासक ने अंतःवासियों से छात्रावास की मूलभूत सुविधाओं, लाइब्रेरी की सुविधा आदि विषयों पर चर्चा की। भोजन की गुणवत्ता की परखने के लिए कुलानुशासक ने छात्रों के साथ बैठकर भोजन भी किया। सभी छात्र व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आये। उन्होंने कुलानुशासक को धन्यवाद देते हुए कहा कि वर्तमान में परिसर का माहौल पठन-पाठन के सर्वथा अनुकूल है। अंतःवासियों ने प्रो. द्विवेदी से वर्तमान शांतिपूर्ण स्थिति को बनाये रखने में अपना पूर्ण सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।

एनसीसी कैडेटों ने किया फूड फेस्टिवल का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय के कैडेटों ने मंगलवार को एक फूड फेस्टिवल का आयोजन किया, जहां उन्होंने अपने पारंपरिक नृत्य के साथ 11 राज्यों का भोजन प्रस्तुत किया, इसके साथ ही भगत सिंह पर स्किट भी हुई। एलयू कुलपति प्रो आलोक कुमार राय मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन प्रो. डी के सिंह, प्रो. किरन लता डंगवाल, 64 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गौरव कार्की, एएनओ डॉ. रजनीश कुमार यादव भी उपस्थित थे। कैडेटों ने वास्तव में भारत की विविधता के लिए विंडो सीट प्रस्तुत की और अतुलनीय भारत का प्रदर्शन किया। फूड फेस्टिवल के 11 राज्यों में गुजरात, आंध्रप्रदेश, हैदराबाद, राजस्थान, केरल, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और पंजाब के पारंपरिक भोजनों का कैडेटों ने प्रतिनिधित्व करके भारत की विविधता का जश्न मनाया। कुलपति और सभी अतिथियों ने इस अवसर की प्रशंसा की और राष्ट्रीय एकता के आयोजन के पीछे के मकसद की सराहना की, साथ ही कुलपति ने दर्शकों को संबोधित किया और कैडेटों को एकजुट रहने और एकता और विविधता के आदर्शों को संजोने के लिए प्रेरित किया।

PRERNA UDGHOSH PAGE 4

'दूरसंचार जन जागरूकता कार्यशाला' का हुआ आयोजन

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, नवीन परिसर के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग और दूरसंचार विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सहयोग से दूरसंचार जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न उपयोगी विषयों जैसे मानव शरीर पर ईएमएफ विकिरण के प्रभाव, दूरसंचार सुरक्षा पहलुओं और 5जी मोबाइल प्रौद्योगिकी का परिचय आदि विषयों पर विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए साथ ही टेलीकॉम सिक्योरिटी विषय पर छात्रों के लिए क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमें पास 10 छात्रों को दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में आर. के. एम श्रीवास्तव (सीनियर डीडीजी, डीओटी), महिधर पंत (डीडीजी, डीओटी) एवं यतीश कटेरिया(डीडीजी रूरल, डीओटी) उपस्थित रहे। साथ ही वक्ता के रूप में रविंद्र वर्मा (एडीजी सिक्योरिटी, डीओटी), अमित कुमार (एडीजी कंप्लायंस, डीओटी) और देवल सक्सेना (एडीजी टेक्नोलॉजी, डीओटी) ने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह के संरक्षण एवं डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. एम.के. जैन, इंजी. सुशील गुप्ता और इंजी. अवनीश जयंक के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वार चुनौतियां एवं अवसर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा चुनौतियां एवं अवसर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में आयोजित किया गया। जिसमें प्रोफेसर ए० पी० दीक्षित पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, प्रोफेसर वाई ० पी ० सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग,, प्रोफेसर के ०डी ० सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,, एवं प्रोफेसर तृप्ता त्रिवेदी विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा कुलगीत गायन के साथ हुआ तथा समस्त गणमान्य मंचाधीनो को प्रोफेसर तृप्ता त्रिवेदी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। तत्पश्चात समस्त विशिष्ट अतिथियों ने उपर्युक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए इस संगोष्ठी की आयोजक डॉ अपर्णा गोडबोले एवं डॉक्टर आकांक्षा सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का आभार व्यक्त किया तत्पश्चात प्रथम तकनीकी सत्र में प्रपत्र प्रस्तुतीकरण हेतु प्रोफेसर पवन अग्रवाल एवं प्रोफेसर कविता रस्तोगी की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में विभिन्न शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र के माध्यम से ज्ञापित विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात मध्यान भोजन अवकाश के बाद द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर नूपुर सेन एवं प्रोफेसर अमिताभ बाजपेई पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष एवं राज्य इ०क परीक्षा समन्वयक ने की तथा इनके मार्गदर्शन में शोधार्थियों द्वारा अपनी अपनी शोध पत्र प्रस्तुत किए गए इस संगोष्ठी में कुल 49 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी का समापन प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष पत्रकारिता एवं संप्रेषण विभाग की अध्यक्षता में हुआ जिसमें श्रीलंका निवासी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग के शिक्षाशास्त्र विषय का पूर्व-छात्र तीक्ष्ण लियानागे के द्वारा मंगलम श्रीलंकाई कांडियन रूप का एक शुभ नृत्य आइटम है। यह भगवान बुद्ध और सभी देवताओं से आशीर्वाद लेने के लिए दिया जाता है और इसलिए बुद्धिमान लोगों को उनके बौद्धिक विकास के लिए शुभकामनाएं देता है। अंततः प्रमाण पत्र वितरण एवं राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन किया गया

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

NCC cadets showcase food, culture of 11 states at LU event

HT Correspondent
letters@htlive.com

NCC cadets at food stalls set up at LU. DEEPAK GUPTA/HT

LUCKNOW: Cadets from the 64th UP battalion, NCC, organised a food festival at the Lucknow University (LU), where they sold popular dishes from 11 states and performed traditional dances of those regions too.

The cadets prepared dal bati churma, litti chokha, Hyderabadi biryani, roshogolla, modak, rasam chawal, chole bhature and other mouth-watering dishes, which were a great hit among the audience.

They also performed a skit on the life of freedom fighter Bhagat Singh, drawing much applause soon after the festival began at 12:30 pm.

LU vice chancellor Alok Kumar Rai was the chief guest at the festival. Commanding officer of the 64th UP Battalion, Colonel Gaurav Karki was present throughout the festival to encourage the students.

"The whole thing was an initiative of the cadets. They came to me with the plan one week ago, and put the whole event together out of their pockets. Even though the participating students are largely from UP and Uttarakhand, they took the initiative to showcase the cultures of 11 different states. This shows their level of dedication, cooperation and initiative - these are all very cherished qualities in cadets," said Karki.

States that were represented at the festival included Gujarat, Uttar Pradesh, Rajasthan, Hyderabad, Kerala, Maharashtra, Andhra Pradesh among others.

Two prizes were given away to the states that performed well in all aspects - food, dance and costume. The first prize was bagged by the Maharashtra team and the second prize was taken away by the Kerala team. Other members of the 64th battalion were in attendance at the event and enjoyed the event along with family and friends.

STATES THAT WERE REPRESENTED AT THE FESTIVAL INCLUDED GUJARAT, U.P., RAJASTHAN, ETC

TOI PAGE 3

Experts lament neglect of Hindi in its motherland

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: No matter how many languages we know, we think and dream only in our native language or mother tongue, said experts during a seminar on 'Indian Languages: challenges and opportunities' held at Lucknow University on Tuesday.

The seminar was organized jointly by LU's educa-

The seminar underway at LU

tion department and Bhartiya Bhasha Samiti, a body under the ministry of education, government of India.

"Contribution of languages is significant in making the country better. Speaking in the native language is the first characteristic of mankind," said former LU Hindi faculty Prof SP Dixit.

Insisting that one needs to understand the difference between dialect and the language, he said that the importance of native language can be gauged from the fact that we think in our own language, translate it in our mind, and then speak in the language we are supposed to.

"Hindi is a very rich language, but we hesitate to speak in Hindi in front of people who know English," he rued while alleging that Hindi universities also do not get the recognition they deserve.

Another expert Prof Yogendra Pratap Singh said that local languages are fighting for their existence.

"France, Holland, Germany motivate citizens to study their mother tongue with any subject. After independence, no awareness about the language was spread in India. People only speak improvised Hindi. Hindi is the official language of 10 states of North India but still, this language is neglected," said Prof Kailash Devi Singh.

She said that there is a need to make Hindi compulsory in India.